पाठ – एक तिनका

प्रश्न 1. तिनका आँख में पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई ?
उत्तर – आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की आँख लाल होकर दुखने लगी। वह बहुत बेचैन और परेशान हो गया और उसका सारा घमंड एक क्षण में ही समाप्त हो गया।

प्रश्न 2. घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास लोगों ने क्या किया ?
उत्तर – घमंडी की आँख से तिनका निकालने के लिए उसके आसपास के लोगों ने कपड़े की मुँठ बनाकर उसकी सहायता से आँख में पड़ा तिनका निकाल दिया।

प्रश्न 3. 'एक तिनका' कविता में कवि हरिऔध जी ने हमें क्या ना करने की प्रेरणा दी है?
उत्तर – 'एक तिनका' कविता में कवि हरिऔध जी ने हमें घमंड ना करने की प्रेरणा दी है।

प्रश्न 4. छत की मुंडेर पर कवि किस भाव में खड़ा था?
उत्तर – छत की मुंडेर पर कवि घमंड से भरे हुए भाव में खड़े थे।

प्रश्न 5. कवि की बेचैनी का क्या कारण था?
उत्तर – कवि की आँख में तिनका गिर जाने के कारण वह बेचैन हो गए और उनकी आँख लाल होकर दुखने लगी।

प्रश्न 6. कवि के आस–पड़ोस के लोगों ने क्या प्रयास किया?
उत्तर – आस–पड़ोस के लोगों ने कपड़े से कवि की आँख में पड़ा तिनका निकालने का प्रयास करने लगे।

प्रश्न 7. कवि के घमंड को किसने तोड़ा ?
उत्तर – कवि के घमंड को एक तिनके ने तोड़ा था, जो उनके आँख में चला गया था।

प्रश्न 8. तिनके से कवि की क्या हालत हो गई?
उत्तर – एक तिनके ने कवि को बेचैन कर दिया था। वह तड़प उठे। थोड़ी देर में उनकी आँखें लाल हो गईं और दुखने लगी। एक तिनके की वजह से कवि की सारी ऐंठ और अहंकार गायब हो गया।

प्रश्न 9. तिनके वाली घटना से कवि को क्या प्रेरणा मिली?
उत्तर – तिनके वाली घटना से कवि समझ गया कि मनुष्य को कभी घमंड नहीं करना चाहिए। एक तिनके ने उन्हें बेचैन कर दिया और औकात बता दिया, उन्हें यह बात भी समझ में आ गई कि उन्हें परेशान करने के लिए एक तिनका ही काफ़ी है। अतः उन्हें किसी बात पर घमंड नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 10. कवि पर किसने व्यंग्य किया है?
उत्तर – कवि के मन ने कवि पर व्यंग्य करते हुए कवि से कहा कि कवि किस बात का घमंड कर रहा था जबकि एक छोटे से तिनके ने ही उसको इतना दुःख दे दिया अर्थात कवि के मन में यह ख़याल आया कि उन्हें घमंड नहीं करना चाहिए था, उनका घमंड तो एक मामूली तिनके ने ही चूर कर दिया।